

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Yes.

(b) 10 lighthouses and 2 radio beacons.

(c) Not so far but it is proposed to make the necessary survey shortly.

दिल्ली-वाराणसी हिन्दी टेलीप्रिन्टर लाइन

*१२८१. श्री रघुनाथ सिंह : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली-वाराणसी हिन्दी टेलीप्रिन्टर लाइन पर प्रेस सूचना विभाग का कार्य कब से नियमित रूप से आरम्भ हो जायेगा ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : हिन्दी टेलीप्रिन्टर लाइन, १ फरवरी, १९५८ से प्रेस सूचना विभाग (P. I. B.) को उपलब्ध की जा चुकी है और तब से यह नियमित रूप से काम कर रही है।

Thefts of Parcels in Running Trains

*1282. { Shri Assar:
Shri Bishwanath Roy:
Shri Tangamani:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether there was a case of theft of parcels in the R.M.S. van of the Patna-Tatanagar Janta Passenger train running between Patna and Jahanabad on the night of the 5th March, 1958; and

(b) if so, the details of the incident and the estimated loss?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shah Nawaz Khan): (a) Yes.

(b) After about 7 minutes of the departure of this train from Patna two persons entered the R.M.S. van from the off side and inquired from the two R.M.S. employees, the only occupants of that van, about the insured parcels. On their refusal, they

were made at the point of revolver and dagger, to move inside the "Van Well" meant for keeping insured parcels. Afterwards the mail bags were opened and some insured packets including the question papers of Bihar (Patna) university were removed.

The examination papers were insured for Rs. 100. One package containing ornaments was insured for Rs. 500. The details of other materials stolen are not yet available.

इंडियन लाइट-हाउस डिपार्टमेंट

१७१५. श्री म० सा० द्विवेदी : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन लाइट-हाउस डिपार्टमेंट का नाम "दि डिपार्टमेंट आफ लाइट हाउसेज एण्ड लाइटशिप्स" कर देने से क्या कोई अन्तर आया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इससे व्यय में वृद्धि हुई है अथवा कमी ;

(ग) क्या इस परिवर्तन से पदाधिकारियों के वेतनों तथा भत्तों अथवा उनको दी जाने वाली सुविधाओं में कोई अन्तर आया है ;

(घ) यदि हां, तो क्या ; और

(ङ) इस परिवर्तन से किन-किन पदों में परिवर्तन हुआ है तथा उनके नाम और पुराने तथा नये वेतन-क्रम क्या हैं ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) से (घ). इस विभाग का नाम बदलने का खाम कारण यह है कि विभिन्न अधिकारियों द्वारा इसे मुस्तलिफ नामों से पुकारा जाने लगा था, जिससे घपला मा पंदा हो गया था। इसका नया नाम अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहार पर रखा गया है। नाम बदलने से कुछ भी खर्चा नहीं बढ़ा है और न ही इसकी वजह से अधिकारियों